Chapter- 12

अविकारी शब्द (क्रिया विशेषण)

STUDY NOTES

विषय सारांश:

- अविकारी शब्द अर्थात जो शब्द लिंग, वचन, क्रिया तथा काल के बदलने पर भी अपना रूप नहीं बदलता।

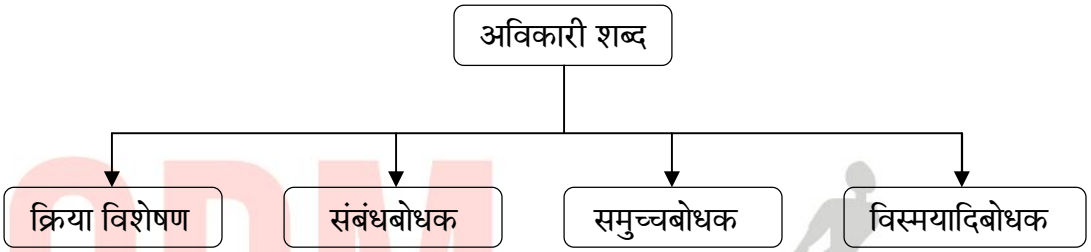

- जो शब्द क्रिया के स्थान, काल, रीति तथा परिणाम संबंधी विशेषताएँ बताते हैं। उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं।

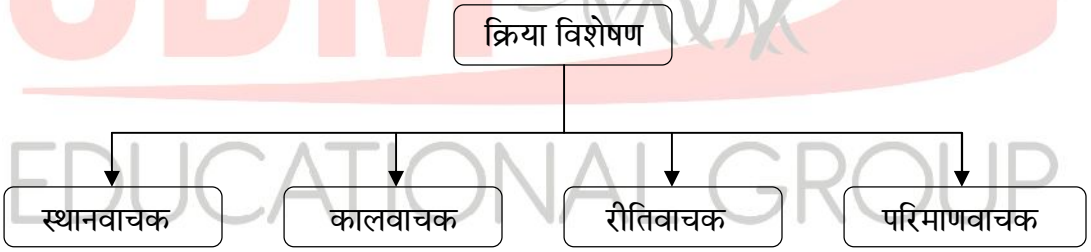

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

- **स्थानवाचक क्रियाविशेषण-** ये क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के होने का स्थान बताते हैं।
  जैसे- ऊपर, नीचे, बाहर, अंदर आदि।

- **कालवाचक क्रिया विशेषण-** ये क्रिया विशेषण क्रिया के होने के समय के बारे में बताते हैं।
  जैसे- आज, अभी, सदा, हमेशा आदि।
- **रीतिवाचक क्रिया विशेषण-** ये क्रिया विशेषण क्रिया के होने के ढंग या रीति बताते हैं।
  जैसे- धीरे-धीरे, तेज, रोते-रोते, दौड़कर, अचानक आदि।
- **परिमाणवाचक क्रिया विशेषण-** ये क्रिया विशेषण क्रिया की मात्रा या माप-तौल के संबंध में बताते हैं।
  जैसे- थोड़ी, आधा, कम्, ज्यादा, बहुत, इतना आदि।

आइए, अब लिखें :

१. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया विशेषण शब्द छाँटकर उनके भेद लिखिए।

		क्रिया विशेषण	भेद
क)	बकरी धीरे-धीरे चल रही है।	धीरे-धीरे	रीतिवाचक
ख)	मैं जयपुर से कल लौटूँगा।	कल	कालवाचक
ग)	सभी खिलाड़ी अच्छा खेले।	अच्छा	रीतिवाचक
घ)	मैंने आज खाना कम खाया।	कम	परिमाणवाचक
ङ)	लता मंगेशकर बहुत मीठा गाती है।	मीठा	रीतिवाचक

२. उचित क्रिया विशेषण शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

(अभी, नीचे, चुपचाप, अचानक, तेज)

क) कार खराब होने पर सब लोग नीचे उतर गए।

ख) धूप निकलते-निकलते अचानक बारिश होने लगी।

ग) खरगोश तेज दौड़कर आगे निकल गया।

घ) मीरा चुपचाप बैठकर पढ़ने लगी।

ङ) मैं विद्यालय से अभी आया हुँ।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

♦♦♦